No. of Printed Pages : 3

ई.एच.डी.-5

04194

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-5 : आधुनिक भारतीय साहित्य : नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : ***किन्हीं पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के* ***अंक समान*** *हैं।*

---

1. 19 वीं शती में भारत की सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों ने तत्कालीन भारतीय साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया? विवेचना कीजिए। **20**

2. जनजागरण के संदर्भ में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के सामाजिक आन्दोलन के प्रभाव की समीक्षा कीजिए। **20**

3. गुजराती संतों द्वारा चलाए गए सामाजिक आन्दोलन का आधुनिक गुजराती साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा? समीक्षा कीजिए। **20**

4. जोतीबा फुले द्वारा चलाए गए आन्दोलन का देश में चल रहे स्त्री एवं दलित आन्दोलन पर दूरगामी प्रभाव पड़ा। विवेचना कीजिए। 20

5. राष्ट्रीय एवं सामाजिक आन्दोलन में तेलुगु भाषा के साहित्यकारों की क्या भूमिका रही? समीक्षा कीजिए। 20

6. हिंदी साहित्य में 'भारतेन्दु युग' को नवजागरण का प्रवेश द्वार क्यों कहा जाता है? कारण सहित उत्तर लिखिए। 20

7. महादेवी वर्मा का साहित्य 'नारी चेतना' का दस्तावेज है। विश्लेषण कीजिए। 20

8. 'बाबा साहब' का सामाजिक आन्दोलन भारतीय समाज में मूलभूत परिवर्तन की माँग करता है। उपरोक्त विषय पर एक आलेख लिखिए। 20

9. ''आधुनिक ओड़िया साहित्यकारों ने सामाजिक परिवर्तन में बहुत बड़ी भूमिका निभाई''। उपरोक्त विषय पर एक निबंध लिखिए। 20

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10=20**

(क) हरिऔध

(ख) पंजाबी लेखक 'नानक सिंह'

(ग) फकीर मोहन 'सेनापति'

(घ) रवीन्द्रनाथ ठाकुर का मानवतावादी दृष्टिकोण

(ङ) सुब्रह्मणयम भारती